ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

श्रेष्ठ प्रेरणा

जब हम परमात्मा को अपनी मन, बुद्धि समर्पित कर देते हैं... तो परमात्मा हमारे दिल को असीम सुकून प्रदान करते हैं...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

सेवा या कर्म करते योगयुक्त रहने की सहज विधि

बापदादा- 10.03.1996

बापदादा ने देखा कि सेवा वा कर्म और स्व-पुरूषार्थ अर्थात् योगयुक्त तो दोनों का बैलेन्स रखने के लिए विशेष एक ही शब्द याद रखो - वह कौनसा? बाप 'करावनहार' है और मैं आत्मा, (मैं फलानी नहीं) आत्मा 'करनहार' हूँ। तो 'करन-करावनहार', यह एक शब्द आपका बैलेन्स बहुत सहज बनायेगा। स्व-पुरूषार्थ का बैलेन्स या गति कभी भी कम होती है, उसका कारण क्या? ठकरनहार' के बजाए मैं ही करने वाली या वाला हूँ, 'करनहार' के बजाए अपने को 'करावनहार' समझ लेते हो। मैं कर रहा हूँ, जो भी जिस प्रकार की भी माया आती है, उसका गेट कौन सा है? माया का सबसे अच्छा सहज गेट जानते तो हो ही - 'मैं'। तो यह गेट अभी पूरा बन्द नहीं किया है। ऐसा बन्द करते हो जो माया सहज ही खोल लेती है और आ जाती है। अगर 'करनहार' हूँ तो कराने वाला अवश्य याद आयेगा। कर रही हूँ, कर रहा हूँ, लेकिन कराने वाला बाप है। बिना 'करावनहार' के 'करनहार' बन नहीं सकते हैं। डबल रूप से 'करावनहार' की स्मृति चाहिए। एक तो बाप 'करावनहार' है और दूसरा मैं आत्मा भी इन कर्मेन्द्रियों द्वारा कर्म कराने वाली हूँ। इससे क्या होगा कि कर्म करते भी कर्म के अच्छे या बुरे प्रभाव में नहीं आयेंगे। इसको कहते हैं - कर्मातीत अवस्था।

अगर समय किसी का

इंतजार नहीं करता,

तो आप सही समय का

इंतजार क्यों करते हो,

याद रखिए जो समय चल रहा है

वही सबसे बेहतर समय है।

Brahma Kumaris
Daily Vichar

Bk. Naveen Sethi
Om Shanti

दीदी मनमोहिनी जी की विशेषतायें

शिक्षा देने की अलौकिक विधि

दीदी कभी सुनी सुनाई एक तरफ की बातों के आधार पर निर्णय नहीं लेती। अगर कोई किसी की कम्पलेन करता, तो उसी समय उनके सामने उसे भी बुलाकर फैंसला करती और जिसे जो शिक्षा देनी होती उसे स्पष्ट शब्दों में दे देती।

कमज़ोरियों को दूर करने का सहज साधन कौन सा है?

जो कुछ संकल्प में आता है, वह बाप को अर्पण कर दो। जो भी आवे वह बाप को सामने रखते हुए जिम्मेवारी बाप को दो, तो स्वयं स्वतंत्र हो जाएंगे। सिर्फ एक दृढ़ संकल्प रखो कि 'मैं बाप का और बाप मेरा।' जब मेरा बाप है, तो मेरे के ऊपर अधिकार होता है न? अधिकारी स्वरूप में स्थित होंगे तो अधीनता ऑटोमेटिकली निकल जाएगी।

Avyakt Murli - 05-05-77

/AvyaktMurliEssence

सदैव प्रथम स्थान पर रहे...
क्षमा करने में, दुआएं देने में,
खुशी बांटने में,सहयोग देने में,
मुस्कुराने में...।

“ पुरानी बातें पकड़ कर रखने से
रिश्तों में गाँठें पड़ जाती हैं।

हम उनके साथ बातों को सुलझाना चाहते हैं,
लेकिन पुरानी बातें इतनी निकल आती हैं,
गाँठें खुलने के बजाय और बढ़ जाती हैं।
जब गाँठें खोल ना सकें, उन्हें तोड़ दें।

पुरानी बातों को चित्त से मिटाकर,
प्यार से एक नई शुरुआत करें। ”

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org